



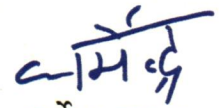
संदेश

शिक्षक दिवस, 2025 के अवसर पर हम अपने शिक्षकों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं जो 'हमारे जीवन के मार्गदर्शक' हैं। वे वास्तव में एक उभरते राष्ट्र के निर्माण के लिए हमारे सामूहिक प्रयास के सूत्रधार हैं।

शिक्षक केवल शिक्षाविद ही नहीं, अपितु राष्ट्र निर्माता भी हैं। उनका मार्गदर्शन पाठ्यपुस्तकों और कक्षाओं से कहीं अधिक है - वे ज्ञान प्रदाता हैं और शिक्षार्थियों में ऐसे मूल्य और आत्मविश्वास की प्रेरणा देते हैं जो जीवनपर्यंत बना रहे। यह उनके समर्पण का ही परिणाम है कि भारतीय शिक्षा प्रणाली एक ऐसी नई पीढ़ी का निर्माण और विकास कर रही है जो न केवल शैक्षणिक रूप से प्रतिभाशाली है, बल्कि ईमानदार, नवोन्मेषी और विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी भी है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020 के तहत, माननीय प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में हमारी सरकार ने शिक्षा में व्यापक सुधार लागू किए हैं, जिसमें शिक्षकों को परिवर्तनकारी शिक्षा के केन्द्र में रखा गया है। इस दिशा में, शिक्षक प्रशिक्षण और उनका सतत व्यावसायिक विकास, शिक्षक प्रशिक्षण पाठ्यचर्या का निरंतर अद्यतनीकरण और शिक्षकों के सतत व्यावसायिक विकास हेतु एक सुदृढ़ डिजिटल अवसंरचना मौजूद है। एससीईआरटी और डाइट की अवसंरचना को लक्षित शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम सुनिश्चित करते हुए स्तरोन्नत किया जा रहा है।

मैं प्रत्येक शिक्षक से आग्रह करता हूँ कि वे निरंतर अधिगम, डिजिटल प्रौद्योगिकी और विद्यार्थी-केंद्रित दृष्टिकोण को अपनाते रहें। आइए, हम विकसित भारत के विज्ञान को साकार करने के लिए शिक्षण की भावना का उत्सव मनाएँ, जिसमें प्रत्येक शिक्षक इस परिवर्तनकारी यात्रा का स्तंभ हो। मेरी कामना है कि प्रत्येक शिक्षक स्वस्थ और सानंद रहें तथा उनमें आने वाले समय में ज्ञान का मार्ग प्रशस्त करने का उत्साह निरंतर बना रहे।


(धर्मेन्द्र प्रधान)